

२०-३-१८ पत्रावली पेश की। वकील भावी उपस्थित है।
पत्रावली का अवलोकन किया गया तो
पत्रावली हेतु लखाना नोटिस आज तक भी पेश
नहीं किया है इससे जाहिर है कि भावी अपने
मात्र पत्र को आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं।
भावी का माफ ०१५-५ में रखा गया किया
गया। पत्रावली जिसल सुमार होकर दर्ज
नम्बर से कम हो। आदेश रजिस्ट्रार न्यायालय
में सुनाया गया।

उप खण्ड अधिकारी
साँभर लेक